www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 210 | जौनपुर शुक्रवार, 20 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली : सीलमपुर पुलिस ने लूट में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सीलमपुर पुलिस को एक लूट और मारपीट के मामले में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घोषित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। यह अपराधी पहले भी लूट और चोरी सहित चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। आरोपी बार–बार अपनी जगह बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, कई वारदात में शामिल शिवम (22) निवासी सीलमपुर को ईआर–प्, क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया। शिवम को अदालत रॉबरी मामले में भगोड़ा अपराधी घोषित कर चुकी थी। घटना 28 मई 2024 की है, जब शिकायतकर्ता सोनू अपने वाहन को सीलमपुर मेट्रो कार पार्किंग में खड़ा करके घर लौट रहा था। इसी दौरान शिवम और उसके साथी ने सोनू पर हमला कर दिया और मोबाइल और कैश छीनकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। बाद में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके बाद शिवम को जमानत मिली, लेकिन उसने जानबूझकर कोर्ट में हाजिरी नहीं दी और अपने पते को छुपाया। जांच में पता चला कि वह गांधी नगर इलाके में गुप्त रूप से रह रहा था। इंस्पेक्टर उमेश सती के नेतृत्व में एसआई ब्रहंपाल, एएसआई संजय सिंह और एचसी भूपेंद्र की टीम गठित की गई।

लव जिहाद के मामले में डीसीपी से मांगा स्पष्टीकरण, एसओ समेत दो पुलिसकर्मी निलंबित

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा में कथित लव जिहाद से जुड़े एक मामले में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आने के बाद कमिश्नरेट स्तर पर सख्त कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। इस कार्रवाई के तहत जहां एक ओर जांच के आदेश दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों को निलंबित भी किया गया है। जानकारी के अनुसार दिनांक 17 मार्च 2026 को थाना फेस–3 में एक महिला द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, मामले की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि इसमें कई महत्वपूर्ण धाराओं को शामिल नहीं किया गया था, जो इस प्रकरण की प्रकृति के अनुसार जरूरी थीं।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि ईद– उल–फितर के अवसर पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला समय से प्रकाशित होगा।

प्रबन्धक

जिसे अंधविश्वास कहा, वो अब राष्ट्र का गौरव, राम मंदिर का निर्माण पूर्ण : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राम यंत्र की स्थापना से सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति होती है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की आस्था को अंधविश्वास के नाम पर अपमानित किया जाता था, लेकिन वर्षों के कष्टों के बावजूद, लोगों की भक्ति कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। आज, मंदिर में श्री राम यंत्र की स्थापना पूर्ण होने के अवसर पर की गई है, जिससे सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति हो रही है। यही भारत की सच्ची आस्था है। योगी ने कहा कि वह आस्था जिसे पहले अंधविश्वास

कहकर अपमानित किया गया था। इसका अपमान करने वाले वही लोग थे जो उत्तर प्रदेश या देश में सत्ता में थे। अब हम सभी गर्व महसूस कर सकते हैं। इस भक्ति ने वर्षों–वर्ष कष्ट सहे हैं, लेकिन कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय मंदिर का प्रतीक बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने नई पीढ़ी की देवी–देवताओं के प्रति श्रद्धा की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत है। नई पीढ़ी सही राह पर है। वे नव वर्ष मनाने के लिए मंदिरों में जाते हैं, न कि किसी पर्यटन स्थल पर। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम यंत्र स्थापित किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। यंत्र को मंदिर के दूसरे तल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम तल भी है और पूर्णता का प्रतीक है। इस अवसर के उपलक्ष्य में, अयोध्या शहर को मुख्य सड़कों, चौराहों और मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर बड़े–बड़े बैनरों और पोस्टरों से सजाया गया था।

श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अयोध्या, (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को राम मंदिर परिसर में श्री राम यंत्र की विधिवत स्थापना की। दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर मंदिर से बाहर निकलते हुए उन्होंने अपने संबोधन में घट–घटवासी राम, मुझमें राम, तुझमें राम, सबमें राम समाएं का संदेश देकर सामाजिक एकता और आध्यात्मिक भाव को मजबूत करने की अपील की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद राष्ट्रपति का काफिला आद्य शंकराचार्य द्वार से होते हुए एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। मार्ग में उन्होंने गाड़ी में बैठे हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। राष्ट्रपति के दर्शन पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कलाकार कार्यकम की प्रस्तुति देते रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी देशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। मैं यहां पर आकर गौरवांवित हूं। राम मंदिर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें यह सौभाग्य का पल मिला है। राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, मंदिर का ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां हैं। मुझे श्रीराम यंत्र की स्थापना का अवसर मिला है। यह प्रभु श्रीराम की मेरे ऊपर कृपा का प्रतीक है। ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन करना एक जैसा है।

जामनगर दौरे पर जाएंगे सीएम भूपेंद्र पटेल, 57 विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 19 मार्च, गुरुवार को जामनगर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे किसानों से संवाद करेंगे और शहर–जिले को विकास की बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे जामनगर हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। इसके बाद वे हापा एपीएमसी में किसानों को संबोधित करेंगे। यहां किसानों के लिए 85 लाख रुपए की लागत से बनी एसी कैंटीन का उद्घाटन होगा, जहां किसानों को मात्र 35 रुपए में शुद्ध भोजन

मिलेगा। साथ ही 65 लाख रुपए की लागत वाला गेस्ट हाउस भी उद्घाटित होगा।इसके बाद टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 41,261 लाख रुपए (412.61 करोड़ रुपए) की कुल लागत वाली 57 विकास परियोजनाओं का ई–उद्घाटन और ई–शिलान्यास करेंगे। इनमें 28 परियोजनाओं का उद्घाटन (15,300.14 लाख रुपए) और 29 का शिलान्यास (25,961.29 लाख रुपए) होगा। ये परियोजनाएं जामनगर शहर और जिले के शहरी–ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवास को मजबूत करेंगी। मुख्य परियोजनाओं की बात करें तो इसमें ऑक्सीजन पार्क शामिल है, जो अंबाविजय सोसाइटी (वी–मार्ट के पास) में 144.85 लाख रुपए की लागत से थीम–आधारित होगा। इसके लिए जामसाहिब शत्रुशल्या सिंह ने 16,066 वर्ग मीटर जमीन दान की है। पार्क में 100 से अधिक पेड़ हैं। यहां श्योगिक चक्रोंश की थीम पर वॉकिंग ट्रैक बनेगा।इसमें सात योगिक चक्रों को रंगों से दर्शाया जाएगा। सी–4 श्रेणी के पेड़ लगाए जाएंगे, जो सीओ2 ज्यादा सोखते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। पार्क में कंपाउंड वॉल, एलईडी लाइट, पार्किंग, पीने का पानी, बेंच, रेनवाटर हार्वेस्टिंग और ड्रिप सिंचाई की सुविधा होगी।

भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम, भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने श्डिफेंस इंडिया स्टार्ट–अप चौलेंजश (जीआईएससी) के 14वें संस्करण की शुरुआत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज 100 से अधिक चुनौतियों के साथ श्डिफेंस इंडिया स्टार्ट–अप चौलेंजश (डीआईएससी) का 14वां संस्करण भी शुरू किया गया है। डीआईएससी की अब तक की सफलता को देखते हुए, हमारे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा पहली बार 100 से अधिक चुनौतियां प्रस्तुत की जा रही हैं। मैं डीआईएससी के नए संस्करण के लिए सभी नवप्रवर्तकों को शुभकामनाएं देता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य

उद्देश्य छोटे उद्योगों को रक्षा निर्माण की सप्लाई चेन से जोड़ना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब छोटे उद्योग बड़े रक्षा कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे, तभी देश में नई खोज और तकनीक की रफ्तार तेज होगी। किसी भी देश के रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में बड़े उद्योगों के साथ–साथ स्टार्टअप और इनोवेटर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। इसमें सरकार की स्पष्ट नीतियां भी बड़ा योगदान देती हैं। उन्होंने कहा दुनिया के मौजूदा हालातों पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने रूस–यूक्रेन और ईरान–इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इन संघर्षों को देख रही है। इनसे यह साफ हो गया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन और एंटी–ड्रोन तकनीक की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है। इसलिए भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना होगा, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता सिर्फ अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें ड्रोन के हर पुर्जे को भारत में ही बनाना होगा। ड्रोन का ढांचा (मोल्ड), सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सब कुछ स्वदेशी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि यह काम आसान नहीं है। आज दुनिया के कई देश ड्रोन बनाने के लिए जरूरी पुर्जे चीन से मंगवाते हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती के लिए हमें ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना ही पड़ेगा।

पीएम मोदी ने नवरात्रि और नव संवत्सर पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौत्र नवरात्रि, नव संवत्सर और गुड़ी पड़वा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि शक्तिस्वरूपा मां दुर्गा की असीम कृपा से सभी का जीवन सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो तथा विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि नवरात्रि का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने लिखा कि शक्ति की आराधना का यह दिव्य अवसर हर किसी के लिए सकारात्मक ऊर्जा और कल्याण का संदेश लेकर आए। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि मां दुर्गा

की कृपा से देश के विकास के संकल्प को भी नई शक्ति मिले। उन्होंने 'जय अंबे जगदंबे मां' का उद्घोष करते हुए देशवासियों के सुखद भविष्य की कामना की। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के प्रथम दिन पूजित देवी शैलपुत्री का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देवी शैलपुत्री के आशीर्वाद से जीवन में संयम, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। प्रधानमंत्री ने संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए लिखाकृ"वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्राधर्कृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्।" इसका अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि देवी शैलपुत्री भक्तों की सभी इच्छाओं को पूर्ण करने वाली हैं और उनके आशीर्वाद से जीवन में सफलता और संतुलन आता है। पीएम मोदी ने एक भजन भी साझा करते हुए मां दुर्गा के चरणों में नमन किया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के इस पावन पर्व पर मां से प्रार्थना है कि वे सभी देशवासियों पर अपनी कृपा बनाए रखें और उन्हें सुख–समृद्धि प्रदान करें। नव संवत्सर के अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को अनंत शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया वर्ष सभी के जीवन में साहस, आत्मविश्वास और सेवा भावना को मजबूत करे, जिससे राष्ट्र निर्माण को भी नई दिशा मिले। गुड़ी पड़वा के अवसर पर पीएम मोदी ने इसे नए वर्ष के आगमन का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, आशा और अवसरों का संदेश देता है।

पोलावरम परियोजना से विस्थापित परिवारों को 226 करोड़ की सहायता : सीएम नायडू

अमरावती, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को पोलावरम परियोजना से विस्थापित परिवारों को 226.61 करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। यह राशि भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास (आरएंडआर) के तहत तीसरी किस्त के रूप में दी गई। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक आवास पर विस्थापित परिवारों से मुलाकात की और तेलुगु नववर्ष उगडी की पूर्व संध्या पर यह राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि पोलावरम परियोजना के लिए अपने घर और जमीन त्यागने वाले लोगों का सरकार सम्मान करती है और उनके बलिदान से ही यह परियोजना साकार हो रही है।सीएम ने पोलावरम परियोजना को राज्य की "जीवनरेखा" बताते हुए कहा कि इसके पूरा होने और नदी जोड़ परियोजना लागू होने से पूरे राज्य को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण डायफ्राम वॉल क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसे अब विशेषज्ञों की सलाह से 1000 करोड़ रुपए की लागत से दोबारा बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि डायफ्राम वॉल का काम एक सप्ताह में पूरा हो

जाएगा और परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले 21 महीनों में काम में तेजी आई है और अगले वर्ष उगादी के दो महीने बाद तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य है।मुख्यमंत्री ने बताया कि यह केंद्र सरकार की परियोजना होने के बावजूद राज्य सरकार इसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि मुआवजा भुगतान में तेजी गठबंधन सरकार के आने के बाद ही आई है। सरकार अब तक तीन किस्तों में कुल 1,943 करोड़ रुपए की राशि 26,149 विस्थापितों को दे चुकी है। इसमें जनवरी 2025 में संक्रांति पर 800 करोड़ रुपए, दिवाली पर 916 करोड़ रुपए और अब उगडी पर 226.6 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

घर चलाने वाली महिलाओं को अब देश चलाना चाहिए : भगवंत मान

मोहाली, (एजेंसी)। पंजाब के गौरवशाली विकास के सफर में महिलाओं की अहम भूमिका का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज प्रशासन, अर्थव्यवस्था और समाज में महिलाओं के महत्व को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक महिला सशक्तिकरण शिक्षा, उचित प्रतिनिधित्व और आर्थिक अवसरों के माध्यम से ही संभव है। जमीनी स्तर पर अपने कौशल से सफल हुई महिला उद्यमियों को सम्मानित करने के लिए आज मोहाली में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने 'आप' सरकार की पहलों, नौकरियों में आरक्षण और वित्तीय सहायता सहित व्यापक आजीविका कार्यक्रमों की जानकारी दी और महिलाओं से निर्णय लेने वाले पदों तक पहुंचने और राज्य के भविष्य को संवारने की अपील की।महिला उद्यमियों को सम्मानित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह बेहद जरूरी है कि लड़कियां आगे आएं और शिक्षा के माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं। यह देश के लिए लाभदायक है क्योंकि घर और परिवार को बेहतर तरीके से संभालने वाली महिलाएं देश की व्यवस्था को भी बेहतर ढंग से चला सकती हैं। राज्य सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही।" लड़कियों को आगे आकर राजनीति में कदम रखना चाहिए ताकि वे निर्णय लेने में सक्रिय भागीदार बन सकें और समाज में जरूरी बदलाव ला सकें। आज लड़कियां लगभग हर क्षेत्र में लड़कों से आगे हैं, लेकिन राजनीति में अभी भी पीछे हैं। इस क्षेत्र को लंबे समय से पुरुषों का गढ़ माना जाता रहा है।

भाजपा चुनाव समिति की बैठक, असम-पुदुचेरी के प्रत्याशियों पर मंथन

कोलकाता नई दिल्ली, (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में बुधवार देर रात को भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें उम्मीदवारों के नामों पर गहन मंथन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संगठन महासचिव बी एल संतोष समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में असम और पुदुचेरी के लिए राज्य इकाइयों द्वारा सुझाए गए उम्मीदवारों के पैनल पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी मौजूद रहे। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बैठक में केरल और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों के लिए भी संभावित

उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होने की जानकारी सामने आई है। इस दौरान पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव, सह–प्रभारी अमित मालवीय और प्रदेश अध्यक्ष समीक भट्टाचार्य भी बैठक में शामिल हुए। वहीं केरल के लिए चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी मंथन में हिस्सा लिया। गौरतलब है कि भाजपा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी थी। पार्टी ने सुवेंदु अधिकारी को कोलकाता की भवानीपुर सीट से उम्मीदवार बनाया है, जो वर्तमान में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास है। साथ ही, अधिकारी को पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम सीट से भी मैदान में उतारा गया है, जहां उन्होंने 2021 में ममता बनर्जी को हराया था। इसके अलावा केरल विधानसभा चुनाव के लिए भी भाजपा ने 47 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इसमें वी मुरलीधरन और जॉर्ज कुरियन जैसे नेताओं को अहम सीटों से टिकट दिया गया है। 2021 के पुदुचेरी की जिन 30 सीटों पर मतदान हुआ उनमें से 10 सीटें मौजूदा मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी की एआई एनआर कांग्रेस को मिलीं। उनकी सहयोगी भाजपा के खाते में छह सीटें गईं। कांग्रेस डीएमके गठबंधन को आठ सीटों से संतोष करना पड़ा। इनमें से छह सीटों पर डीएमके और दो सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली। छह सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीतने में सफल रहे।

संपादकीय

नौकर शाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं

इस पहेली को सुलझाया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने आठवीं क्लास के बच्चों को न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाने का फैसला किया तो शासन के बाकी अंगों या लोकतंत्र के बाकी स्तंभों के बारे में क्यों नहीं कुछ सोचा? क्या एनसीईआरटी की किताब तैयार करने वाली कमेटी की नजरों में लोकतंत्र के बाकी तीन स्तंभ पाक साफ हैं? उनके यहां भ्रष्टाचार नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि पर्ची निकाल कर तय किया गया कि पहले न्यायपालिका का भ्रष्टाचार पढ़ाया जाएगा और उसके बाद बाकी स्तंभों के भ्रष्टाचार के बारे में बताया जाएगा? क्योंकि दुनिया भर में प्रेस फ्रीडम को लेकर काम करने वाली ज्यादातर संस्थाओं ने भारत में मीडिया कि रेटिंग काफी नीचे रखी है। भारत में मीडिया की विश्सनीयता भी बाकी संस्थाओं से कम है। सत्ता पक्ष के नेताओं ने सरकार पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल का टैग दे दिया तो दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने वालों को गोदी मीडिया या भक्त मीडिया का टैग दे दिया। इसका मतलब है कि किसी की नजर में मीडिया विश्वसनीय नहीं है। लेकिन एनसीईआरटी ने मीडिया में भ्रष्टाचार या कंप्रोमाइज को लेकर पाठ नहीं तैयार किया। इसी तरह जिस दिन श्न्यायपालिका में भ्रष्टाचास्य शीर्षक अध्याय को लेकर विवाद शुरू हुआ उसी दिन अखबारों के पहले पन्ने पर ओडिशा के माइंस डिपार्टमेंट के एक डिप्टी डायरेक्टर के यहां विजिलेंस विभाग की कार्रवाई की खबर थी। खबर के साथ तस्वीरें भी थीं, जिसमें चारों तरफ नोट ही नोट दिखाई दे रहे थे। डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के यहां छापे में चार करोड़ रुपए नकद बरामद हुए। इसके अलावा जमीन और फ्लैट के कागजात और जेवर आदि अलग से बरामद हुए। ऐसा नहीं है कि यह कोई अपवाद वाली खबर थी। यह सबसे रूटीन की खबर है। किसी क्लर्क के यहां या किसी चपरासी के यहां छापे में लाखों, करोडों रुपए की जब्ती बहुत आम बात है। बड़े नौकरशाह तो अरबों के आसामी होते हैं। फिर भी नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं जोड़ा गया। क्या एनसीईआरटी की नजर में अधिकारी भी पवित्र गाय हैं? प्रेस और कार्यपालिका के अलावा लोकतंत्र का सबसे प्रमुख स्तंभ विधायिका है। देश में आठ सौ से कुछ कम सांसद और चार हजार से कुछ ज्यादा विधायक हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए। देश की हर पार्टी के कुछ न कुछ नेता किसी न किसी मामले में आरोपी हैं। जो जितना बड़ा नेता है उसके ऊपर उतने ज्यादा रुपए के घोटाले के आरोप हैं। अगर किसी किताब में विधायिका यानी विधायकों और सांसदों के भ्रष्टाचार का चौप्टर शामिल किया जाए तो देश के लोग आंख मूंद कर उस पर भरोसा करेंगे। लेकिन एनसीईआरटी ने विधायकों, सांसदों यानी विधायिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बच्चों के स्कूल में अध्याय नहीं प्रकाशित कराया। तभी बड़ी हैरानी की बात है कि सिर्फ न्यायपालिका को क्यों चुना गया? अगर लॉटरी या पर्ची निकाल कर यह फैसला नहीं हुआ कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से किताब में अध्याय शामिल करना है और यह काम केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एनसीईआरटी और उसकी बनाई कमेटी ने नहीं किया तो निश्चित रूप से इसके पीछे किसी विदेशी साजिश के पहलू से सरकार को जांच करानी चाहिए। सरकार को कोई टूलकिट तलाशना चाहिए। विपक्षी पार्टी पर आरोप लग सकते हों तो उसको ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। ऐसा कहने का कारण यह है कि प्रधानमंत्री से लेकर शिक्षा मंत्री और एनसीईआरटी के निदेशक तक सब यही कह रहे हैं कि पता लगाओ किसने ऐसा किया!

Kim Jong Un को जिन्होंने वोट नहीं किया उनका क्या होगा

अभिनय

फर्ज कीजिए कि किसी देश में चुनाव हो और लोग लाइन लगाकर धड़ाधड़ वोट देने पहुंच जाते हैं। मानों की धुरंधर–2 फिल्म की फ्री स्क्रिनिंग रखी गई हो और उसका टिकट पाने के लिए पहले मैं–पहले मैं करके कतार में लोग मारा–मारी करते नजर आए। अब माहौल ऐसा होगा तो मतदान का प्रतिशत भी ऊपर जाएगा। कितना? 99.99 प्रतिशत मानो इतने नंबर अगर परीक्षा में आ जाएं तो देश के बड़े से बड़े कॉलेज–यूनिवर्सिटी में दाखिला झट से मिल जाए। अब अगर वोटिंग टर्न आउट 100 प्रतिशत के करीब रहा हो तो हैरत तो हर किसी को होगी। लेकिन रूको जरा, अभी तो और भी ट्विस्ट बाकी है। इस 99.99 : वोटिंग टर्न आउट में जीतने वाली पार्टी को 99.93 प्रतिशत वोट प्राप्त होते हैं। आप कहेंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है। हो सकता है जब देश नॉर्थ कोरिया हो तो सब हो सकता है। उत्तर कोरिया में रविवार 15 मार्च को संसदीय चुनाव हुए। वोटिंग के दौरान पोलिंग बूथों को खूब सजाया गया। लोग इनके बाहर नाचना गाना भी कर रहे थे। देश में 7 साल बाद इलेक्शन हो रहे थे तो बाकी देशों को भी बुलबुलाहट थी कि इस बार क्या होगा? मगर किस्सा वही ढाक के तीन पात। नतीजों का ऐलान हुआ तो बताया गया कि सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की पार्टी और गठबंधन को 99.93: वोट मिले हैं। इसके साथ ही देश की संसद जिसको सुप्रीम पीपल्स असेंबली कहते हैं, उसकी हर सीट वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के हिस्से चली गई। हालांकि ये आंकड़े देखकर यह हैरत भी होती है कि नॉर्थ कोरिया में आखिर किम जोंग उन के खिलाफ वोट करने वाले यह 0.07: कौन से दिलेर लोग थे। खासकर इसलिए क्योंकि पहली बार किम जोंग उनके खिलाफ वोट पड़ने की खबरें आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि देश में विपक्ष पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। विपक्षी पार्टियां भी मौजूद हैं और लोग अपने मन मुताबिक वोट डालते भी हैं। मगर यहां बीच में आ जाता है इलेक्शन का प्रोसेस। उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब वह नहीं है जो हम आम तौर पर समझते हैं। यहाँ चुनाव जनता की पसंद चुनने के लिए नहीं, बल्कि सरकार की ताकत और एकता दिखाने के लिए आयोजित किए जाते हैं। आइए समझते हैं कि आखिर इस देश में वोटिंग कैसे होती है। उत्तर कोरिया के हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार खड़ा होता है। इस उम्मीदवार का चयन पहले ही सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा कर लिया जाता है। वोटिंग के दिन, मतदाता को एक बैलेट पेपर दिया जाता है जिस पर उसी इकलौते उम्मीदवार का नाम लिखा होता है। हाल के वर्षों में कुछ छोटे बदलाव जरूर किए गए हैं।जैसे कुछ स्थानों पर 'हाँ' और 'नहीं' के लिए अलग–अलग मतपेटियाँ रखी गईं। लेकिन मूल व्यवस्था अभी भी वही बनी हुई है। हर सीट पर पहले से तय एक ही उम्मीदवार होता है और मतदाताओं के पास केवल समर्थन या विरोध जताने का विकल्प रहता है। इस प्रक्रिया में यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि अधिकारियों को यह जानकारी रहे कि किसने समर्थन में वोट दिया और किसने विरोध में। ऐसे माहौल में विरोध दर्ज कराना काफी जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि मतदाताओं पर निगरानी रखी जाती है और उनके खिलाफ कार्रवाई की आशंका बनी रहती है। मतदान लगभग अनिवार्य होता है। स्थानीय प्रशासन मतदाताओं की पूरी सूची तैयार रखता है, जो किसी हद तक जनगणना का भी काम करती है। जो लोग मतदान नहीं कर पातेकृजैसे समुद्र में कार्यरत नाविक या विदेश में रहने वाले नागरिक उन्हें भी आधिकारिक आँकड़ों में शामिल किया जाता है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, केवल 0.0037: लोग ही मतदान नहीं कर सके, जबकि मात्र 0.00003% लोगों ने स्वेच्छा से मतदान से दूरी बनाई। चुनाव के बाद नई असेंबली बुलाई जाती है, जिसका काम केवल किम जोंग–उन की नीतियों पर मुहर लगाना होता है। इस बार चर्चा है कि किम की बहन, किम यो–जोंग को और भी बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। साथ ही, किम जोंग–उन का अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखना यह संकेत देता है कि उन्हें भविष्य के उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। 99.93% समर्थन का आँकड़ा भले ही असाधारण लगे, लेकिन उत्तर कोरिया में यह कोई नई बात नहीं है। 2019 के चुनावों में भी लगभग ऐसे ही परिणाम सामने आए थे, जहाँ मतदान प्रतिशत 99.99% बताया गया था। पूरी चुनावी प्रक्रिया एक सुनियोजित प्रदर्शन जैसी होती है, जिसमें एकता दिखाने पर जोर दिया जाता है। वास्तव में न तो कोई प्रतिस्पर्धा होती है, न ही विपक्ष की कोई प्रभावी भूमिका, और इस पूरी

प्रक्रिया की स्वतंत्र निगरानी भी संभव नहीं होती। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किम जोंग उन अपनी बेटी को उत्तराधिकारी बनाने का फैसला भी कर चुके हैं। यौनहप न्यूज एजेंसी ने हालिया चुनाव के बारे में बताया था कि पिछली बार की तुलना में इस बार 70: पदाधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। यानी पावर स्ट्रक्चर में ताबड़तोड़ बदलाव किए जाएंगे। इन चुनावों में किम जोंग की बहन किम यो जोंग भी संसद पहुंची हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक सदन अब एक बैठक करेगा और किम जोंग उनको देश का सुप्रीम लीडर चुन लिया जाएगा। दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को लेकर संविधान में बदलाव करने हैं या नहीं, विदेश नीति पर कुछ फैसले करने हैं या नहीं? ऐसे तमाम मुद्दों पर फैसले किए जाएंगे। अब नई चुनी गई संसद जल्द ही बैठक करेगी, जहाँ सरकार की नीतियों को औपचारिक मंजूरी दी जाएगी। इसमें किम जोंग–उन की पाँच वर्षीय आर्थिक योजना और परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं। उनकी बहन किम यो–जोंग को लेकर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव के बाद उन्हें और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। वहीं हाल के समय में किम जोंग–उन अपनी बेटी के साथ कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आए हैं, जिसे संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

अहुर–असुर से आर्य–वेद तक, भारत–ईरान का वो रिश्ता जो अमेरिका–इजरायल चाहकर भी नहीं तोड़ सकते

अभिनय

ईरान–इजराइल युद्ध में भारत एक ऐसे तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा है जो ना तो खुलकर तेल अवीव की मिसाइलों वाली बोली के समर्थन में है और न ही पूरी तरह तेहरान की तरफ झुका हुआ है। भारत और ईरान के रिश्ते हजारों साल पुराने हैं। वहीं इजरायल ने विभिन्न संकट की घड़ी में मददगार के रूप में भारत का साथ दिया है। अब आप सोचेंगे कि जब इजराइल से हमारी इतनी गहरी दोस्ती है तो हम ईरान को लेकर इतने फिक्रमंद क्यों हैं? क्या यह सिर्फ कच्चे तेल की सप्लाई या चाबहार बंदरगाह के व्यापार का मामला है? तो जवाब है बिल्कुल नहीं। भारत और ईरान का रिश्ता आज की कूटनीति कच्चे तेल या व्यापार की पैदाइश नहीं है। अगर आपको भारत का यह बैलेंसिंग एक्ट समझना है तो आज से हजारों साल पीछे जाना होगा। दरअसल हमारा और ईरान का रिश्ता किसी कागजी समझौते का नहीं बल्कि खून और सभ्यता का रिश्ता है। ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुर–असुर से आर्य–वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है? सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग–अलग छोटे–छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है। 2000 से 3000 ईसा पूर्व के बीच भारत और ईरान के लोग एक ही परिवार का हिस्सा थे। अगर आप आधुनिक इराक, दक्षिणी ईरान और उत्तर पश्चिमी भारत के नक्शे को एक साथ रखकर देखें तो आपको पता चलेगा कि यह पूरा इलाका कभी एक ही विशाल सांस्कृतिक और जन सांख्यिकी यानी डेमोग्राफिक क्षेत्र हुआ करता था। सिर्फ यही नहीं हमारी सिंधु घाटी सभ्यता ईरान और मेसोपोटामिया की समकालीन सभ्यताओं के बीच जो गहरे व्यापारिक संबंध थे वो आज भी जमीन की खुदाई में मिलते हैं। हजारों साल पहले हमारे पूर्वज एक दूसरे के शहरों में आते जाते थे। व्यापार करते थे और एक दूसरे के रीति–रिवाजों को मानते थे। यह दोनों सभ्यताएं एक दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई थी। इसका एक सबसे बड़ा जिंदा सबूत आज भी मौजूद है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ब्राहूई नाम का एक कबीला रहता है। यह लोग शक्ल, सूरत और नस्ल से बिल्कुल ईरानी लगते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनकी बोली दक्षिण भारत की द्रविड़ भाषाओं जैसे तमिल या तेलुगु से काफी मिलती जुलती है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है। बल्कि इस बात का पक्का सबूत है कि हमारी जड़े एक ही जमीन से जुड़ी हैं और आधुनिक सीमाएं बनने से पहले हम एक ही थे। इंडो आर्यन और ईरानी लोगों के साझे अतीत को वैज्ञानिक भाषा में कुर्गन परिकल्पना या कुर्गन हाइपोथेसिस और बीएमएसी यानी बैक्टीरिया मार्गना आर्कियोलॉजिकल कॉम्प्लेक्स के नाम से जाना जाता है। इस थ्योरी के मुताबिक हजारों साल पहले मध्य एशिया के यूरेशियन स्टेपीज इलाके में एक बहुत बड़ा घुमंतु समूह यानी नोमेडिक ग्रुप रहता था। यह लोग घोड़ों की सवारी करने और रथ चलाने में माहिर थे। यह वो लोग थे जो एक ही भाषा बोलते थे और एक ही जैसी संस्कृति को मानते थे। लेकिन वक्त के साथ चारगाहों और नई जमीन की तलाश में इन लोगों ने वहां से दक्षिण की तरफ अपना सफर शुरू किया। यही वो ऐतिहासिक सफर था जिसने दुनिया का भूगोल हमेशा के लिए बदल दिया। प्रवास के इस लंबे रास्ते में यह विशाल इंडो ईरानी भाषी समूह दो अलग–अलग शाखाओं में बट गए। इस समूह की पहली शाखा ने हिंदू कुश के ऊंचे पहाड़ों को पार किया और भारतीय उपमहाद्वीप के सिंधु और गंगा के उपजाऊ मैदानी इलाकों में आकर बस गए। इन्हें ही इतिहास में इंडो आर्यंस कहा जाता है। जबकि दूसरी शाखा पहाड़ों के पार नहीं गई। वो ईरानी पठार जो ईरानियन प्लेटो हैवहां रुक गई। उन्होंने वहीं अपनी सभ्यता का विस्तार किया और वो आगे चलकर प्राचीन फारसी या ईरानी कहलाए। यानी जो आज के भारतीय हैं और जो ईरानी

हैं वह असल में हजारों साल पहले एक ही कबीले में रहते थे। पारसी धर्म में सर्वोच्च भगवान अहुर मज्दा हैं। वे निराकार, रंगहीन, लिंगहीन और परम बुद्धिमान सत्ता हैं। अहुर का अर्थ है स्वामी या दिव्य। अब, यदि आप अहुर के श्हश को श्सश से बदल दें, तो आपको वैदिक संस्कृति का श्असुरश शब्द मिल जाएगा। ऋग्वेद में श्असुरश शब्द का प्रयोग दिव्य प्राणियों के लिए किया जाता था, और इसका इस्तेमाल वरुण और इंद्र जैसे देवताओं के लिए होता था। पारसी–जोरोस्ट्रियन संस्कृति और इतिहास के अनुसंधान और संरक्षण के लिए समर्पित संगठन की निदेशक शेर्नाज कहती हैं कि पारसी धर्म में अच्छाई का मतलब अहुर मज्दा से है, जो रोशनी और बुद्धि की शक्ति हैं। वहीं, बुराई की ताकत अंग्र मैन्यू है, जो अंधेरे और नकारात्मकता का प्रतीक है। अहुर मज्दा, मित्र और सात श्अमेशा स्पेंटाश की शक्तियां, असुर वरुण और आदित्यों के समान ही हैं। ऋग्वेद में आदित्यों को सूर्य–देवताओं का एक समूह माना गया है। जो देवता कभी दोनों संस्कृतियों में पूजे जाते थे, बाद में पारसियों ने उन्हें मानना छोड़ दिया, लेकिन वैदिक परंपरा में उन्हें माना जाता रहा। और इसी तरह, वैदिक परंपरा के कुछ देवता पारसी परंपरा में भी बदल गए। लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी के मारियानो एरिचिएलो उस सिद्धांत के बारे में बताते हैं कि कैसे मध्य एशियाई मैदानों में रहने वाली शहिंद–ईरानीश आबादी अलग हो गई। वह कहते हैं, इस सिद्धांत की शुरुआत 19वीं सदी में उन भाषाविदों ने की थी जिन्होंने संस्कृत, अवेस्तान और अन्य हिंद–यूरोपीय भाषाओं की तुलना की थी। बाद में कुछ विद्वानों ने यह राय दी कि किसी धार्मिक विवाद के कारण ये दोनों लोग अलग हुए होंगे। मारियानो बताते हैं कि कैसे दोनों परंपराओं में कुछ पवित्र शब्दों का अर्थ उल्टा हो गया। वह समझाते हैं, षमिसाल के तौर पर, पारसी धर्म में अहुर मज्दा सबसे बड़े भगवान हैं, जबकि वैदिक परंपरा में श्असुरश शब्द का मतलब धीरे–धीरे खराब या नकारात्मक हो गया। यह बदलाव इशारा करता है कि शायद कोई धार्मिक बदलाव हुआ होगा, जिसमें पहले के कुछ देवताओं को छोड़ दिया गया था। न केवल रीति–रिवाज और देवता, बल्कि पारसियों और हिंदुओं के पवित्र ग्रंथों अवेस्ता और ऋग्वेद में सुरक्षित भौगोलिक यादें भी एक साझा हिंद–ईरानी सांस्कृतिक दुनिया की ओर इशारा करती हैं। इन ग्रंथों में मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नदी प्रणालियों और भूभागों के समान विवरण मिलते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय और फारसी सभ्यताएँ कजिन कल्चर यानी एक ही जड़ से जुड़ी हुई हैं। ऋग्वेद के मंत्र और जरथुस्त्र की गाथाएँ छंद और विचारों में काफी मिलती–जुलती हैं। क्योंकि वैदिक संस्कृत पहले से सुरक्षित और अच्छी तरह समझी गई थी, इसलिए उसी के सहारे अवेस्ता की भाषा, कथाएँ और रीति–रिवाज समझना आसान हुआ।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

सौरभ वार्ष्णेय

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ–साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरु से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है। मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू–राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थीकृएक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु–आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुक्कत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही। इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दर्शाता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है। ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है।

ईरान युद्ध में नाटो से अलग-थलग पड़े ट्रंप की परीक्षा की घड़ी

नित्य

अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषण सेवा बुधवार को, अमेरिका–इजरायल गठबंधन के ईरान के खिलाफ युद्ध के 18वें दिन, ट्रंप को एक साथ दो बुरी खबरें मिलीं। इन खबरों ने उन्हें इस बात पर सोचने पर मजबूर कर दिया कि ईरान को अमेरिकी ताकत के आगे झुकाने के लिए उन्हें अपनी अगली रणनीति कैसे बनानी चाहिए। पहली खबर यह थी कि यूरोपीय सरकारों ने ट्रंप के उस अनुरोध का जवाब देने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने तेल टैंकरों के सुरक्षित मार्ग के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेजने की मांग की थी। दूसरी खबर यह थी कि ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को तभी गुजरने दे रहा है, जब वे भुगतान डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी युआन में करें। इसका मतलब है कि चीन और ईरान के बीच कोई समझौता हो गया है, हालांकि उसकी शर्तें अभी पता नहीं चली हैं। लेकिन इसका कुल नतीजा यह निकला है

कि चीन, तेहरान के पूरे समर्थन के साथ, ईरान द्वारा की गई होर्मुज नाकेबंदी का फायदा उठा रहा है और पैसे कमा रहा है। ट्रंप के लिए, यह खबर इससे बुरे समय पर नहीं आ सकती थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को मनाया कि वे चीनी व्यापार मंत्री ही लिफांग के साथ एक बैठक तय करें, ताकि इस साल अप्रैल में बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली उनकी बैठक के लिए जमीन तैयार की जा सके। ईरान युद्ध के माहौल के बीच चीन ने हिचकिचाते हुए ऐसी बैठक के लिए सहमति दी। यह बैठक रविवार को पेरिस में शुरू हुई और सोमवार को भी जारी रही।व्हाइट हाउस ने अपनी तरफ से 31 मार्च से 2 अप्रैल तक शिखर सम्मेलन की तारीखें तय कर दी थीं, लेकिन चीन की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। असल में, ट्रंप पेरिस बैठक का इस्तेमाल एक श्चारेश के तौर पर करना चाहते थे, ताकि चीन को अपने पाले में रखा जा सके। वे यह संकेत देना चाहते थे कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वे उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते और अन्य विवादित मुद्दों पर आपसी समझ को अंतिम रूप देना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की यह चाल कामयाब नहीं हुई। अब वे गुस्से से आग–बबूला हैं। उन्होंने घोषणा की है कि चीन का प्रस्तावित दौरा टाल दिया जाएगा, हालांकि व्हाइट हाउस के सूत्रों का कहना है कि शिखर सम्मेलन अप्रैल के अंत तक हो जाना चाहिए।ट्रंप ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का वही अनुरोध किया था, लेकिन चीन ने भी यूरोपीय देशों की तरह ही इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इस तरह, दोनों ही पक्षों ने ट्रंप की बात मानने से इनकार कर दिया। जहां तक यूरोप की प्रतिक्रिया का सवाल है, वह ट्रंप के लिए इतनी परेशान करने वाली थी कि उन्होंने कहा कि यूरोप का यह रुख नाटो के लिए बहुत बुरा है। इस बात के काफी संकेत थे कि वह नाटो के इन यूरोपीय सदस्यों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। जर्मनी की प्रतिक्रिया ट्रंप के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक थी। जर्मनी ने किसी भी सैन्य गतिविधि में हिस्सा लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयास भी शामिल थे। चांसलर फ्रेडरिक मज ने कहा, श्हस्तक्षेप करना है या नहीं, इस पर कभी कोई संयुक्त फैसला नहीं हुआ था। इसीलिए यह सवाल ही नहीं उठता कि जर्मनी के सैन्य रूप से योगदान देगा। हम ऐसा नहीं करेंगे।उन्होंने आगे कहा, श्इस ईरानी शासन का अंत होना ही चाहिए,श लेकिन साथ ही यह भी कहा कि श्पिछले वर्षों और दशकों में हमने जो अनुभव हासिल किया है, उसके आधार पर, बमबारी करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर करने जैसा तरीका, पूरी संभावना है कि सही तरीका नहीं है।श जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा, श्यह हमारा युद्ध नहीं है, हमने इसे शुरू नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य में मुट्ठी भर यूरोपीय युद्धपोतों से ऐसी क्या उम्मीद करते हैं, जिसे शक्तिशाली अमेरिकी नौसेना अकेले नहीं संभाल सकती? यही वह सवाल है जो मैं खुद से पूछ रहा हूं।श ब्रिटेन,फ्रांस और इटली ने भी जर्मन राष्ट्रपति के विचारों का समर्थन किया और यह साफ कर दिया कि वे ट्रंप के अनुरोध के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने की स्थिति में नहीं हैं।तो अब ट्रंप यहां से आगे क्या करेंगे? पेंटागन ने इस महीने की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ईरान में इस युद्ध को इस साल सितंबर तक जारी रखने की क्षमता है और यह अमेरिका के लिए बहुत महंगा साबित होगा। ट्रंप को पेंटागन पर भरोसा नहीं था। वह ईरान को आत्मसमर्पण कराने के लिए ज्यादा से ज्यादा पंद्रह दिन का समय बता रहे थे। अब, 18वें दिन भी, ऐसा कोई संकेत नहीं दिख रहा है। ट्रंप तेल और परमाणु ठिकानों पर कब्जा करने के लिए मरीन सहित बड़ी संख्या में सैनिकों का इस्तेमाल करके युद्ध को अगले स्तर पर ले जा सकते हैं। अगर वह सफल भी हो जाते हैं, तो भी इस कदम के खतरनाक परिणाम होंगे। अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं कि डेमोक्रेट्स जीत रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों की मौत अमेरिकी मतदाताओं के लिए बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। रिपब्लिकन पार्टी भी यह जोखिम नहीं उठा सकती। ट्रम्प के लिए, यह परीक्षा की घड़ी है।

केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के संयोजन में खेल प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन लखनऊ के तत्वाधान में खेल प्रतियोगिता बीबीडी के डा. अखिलेश दास गुप्ता मैदान पर संपन्न हुई जिसमें विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों का उद्घाटन केनरा बैंक लखनऊ अंचल कार्यालय के अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री अजित मिश्र, उप महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार आर एवं लखनऊ 1 क्षेत्रीय कार्यालय के उपमहाप्रबंधक श्री राजेश के कर कमलों द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में 2016 दक्षिण एशियाई गेम्स की जेवलिन थ्रोवर स्वर्ण पदक विजेता श्रीमती सुमन देवी एवं डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस लखनऊ साउथ श्री निपुण अग्रवाल ने सम्मिलित होकर सभी का उत्साहवर्धन किया। 'क्रिकेट' प्रतियोगिता में क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ वन विजेता और लखनऊ टू उपविजेता बनी। मैन ऑफ द मैच बने अंशुमान सिंह, मैन ऑफ द सीरीज बने मनीष राय, बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार मनीष राय ने जीता, बेस्ट बॉलर का पुरस्कार अतुल यादव ने जीता, बेस्ट फील्डर का पुरस्कार अतुल यादव को मिला। '100 मीटर दौड़' में महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार सारक्षी सेठ ने जीता। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार मनीष राय द्वितीय पुरस्कार रवि प्रताप एवं तृतीय पुरस्कार प्रशांत तिवारी ने जीता। 'शॉट पुट' प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में मनीष राय प्रथम, राजकमल द्वितीय, पीयूष श्रीवास्तव तृतीय रहे। महिला वर्ग में श्वेता तिवारी प्रथम, सारक्षी सेठ द्वितीय, प्रीती सिन्हा तृतीय रहीं। 'स्किपिंग' प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में प्रशांत तिवारी प्रथम, देवेश प्रताप द्वितीय एवं पीयूष श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहे। 'टग ऑफ वार' में महिला वर्ग में कल्पना त्रिपाठी, साराक्षी सेठ, श्वेता तिवारी, ऋचा अमृता, अल्का यादव ने प्रथम पुरस्कार जीता। 'चेस' प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार प्रशांत तिवारी को मिला। 'लेमन रेस' प्रतियोगिता महिला का प्रथम पुरस्कार नेहा तिवारी को मिला। इन खेलों का सफल आयोजन सीबीओए के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री धनंजय सिंह के नेतृत्व में कराया गया जिसमें जेजीएस अंशुमान सिंह, डीजीएस विवेक श्रीवास्तव, एजीएस विवेक सोनकर, रीजनल सेक्रेटरी लखनऊ वन संतोष कुमार, लखनऊ टू मनीष राय, असिस्टेंट रीजनल सेक्रेटरी पुष्पेंद्र सिंह, मोहम्मद इमरान, शिशिर श्रीवास्तव, रणविजय, चेयरमैन अशोक गहलौत, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी अखिलेश, लालजी, नितेश शर्मा, आर सी मेंबर नेहा तिवारी, प्रशांत, गोपी रमन, रवि, आकिब, आदर्श, सुनीत, मनोज, राजकमल, प्रभात, संचित, भृगुराज आदि मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में मीरगंज थाना क्षेत्र के मोलनापुर गांव में शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक 17 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब युवक घर से बाहर शौच के लिए गया था। मोलनापुर निवासी अजीत चौहान (17)पुत्र ज्ञानपति चौहान सुबह खुले मैदान में था और मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। घटना के बाद परिजन अजीत को तत्काल मछलीशहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अजीत अपने चार भाई–बहनों में सबसे छोटा था, उसकी असामयिक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। शव घर पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार एकत्र हो गए। इसी बीच एक रिश्तेदार ने शरीर में हल्की गर्माहट महसूस होने की बात कहकर दोबारा अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन उम्मीद के साथ उसे मड़ियाहूं स्थित आस्था अस्पताल ले गए, लेकिन वहां भी डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अन्य विधिक कार्रवाई कर रही है।

गौ आश्रय स्थलों में भूसे की उपलब्धता 25 मार्च तक सुनिश्चित करें

लखनऊ, (संवाददाता)। धर्मपाल सिंह, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री, ने विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में प्रदेश के गौ आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंश के भरण–पोषण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रबी फसल की कटाई को देखते हुए सभी जनपदों में 25 मार्च 2026 तक भूसे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाए।मंत्री ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए निर्देशित किया कि गो आश्रय स्थलों में स्वच्छ पेयजल, चारा, छाया के लिए त्रिपाल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं, ताकि पशुओं को गर्मी और लू से बचाया जा सके।बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 के बजट आवंटन और वित्तीय स्वीकृतियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति के निकट है, इसलिए आवंटित बजट का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्थिति में बजट सरेंडर न होने पाए। उन्होंने चेतावनी दी कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।धर्मपाल सिंह ने प्रदेश में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम और बकरी पालन जैसी योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। साथ ही पशु चिकित्साधिकारियों को नियमित रूप से गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। जहां कहीं भी अव्यवस्था या लापरवाही की शिकायत मिले, वहां तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, इसलिए गौ संरक्षण केंद्रों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।बैठक में अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी और भरोसा दिलाया कि मंत्री के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 469 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 30 केंद्रों का लोकार्पण प्रस्तावित है। साथ ही 130 निर्माणाधीन केंद्रों को 15 मई 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।इस अवसर पर वैभव श्रीवास्तव, डॉ. मेमपाल सिंह, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. पी. के. सिंह सहित पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं योजनाधिकारी उपस्थित रहे।

दीपयज्ञ के साथ भारतीय नववर्ष का शंखनाद

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय नववर्ष के स्वागत में भारतीय नववर्ष महोत्सव समिति ने बुधवार को निरालानगर के सरस्वती कुंज से आयोजन कर जन जागरण अभियान को धार दी। हजारों दीप प्रज्ज्वलित कर मां गायत्री दीपयज्ञ से भारतीय नववर्ष का शंखनाद किया गया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने शुभारंभ किया। ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय नववर्ष हमारी ऋषि परंपरा और प्रकृति के चक्र का उत्सव है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि चौत्र नवरात्र की प्रतिपदा पर हर सनातनी घर की छत पर भगवा ध्वज शान से लहराए और आंगन को दीपों की रोशनी से जगमगाए। डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि भारतीय कालगणना सृष्टि के आरंभ से जुड़ी है और यह पूरी तरह से खगोलीय गणनाओं पर आधारित है। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल और संयोजक अभिषेक खरे ने कहा कि अभियान का उद्देश्य नई पीढ़ी में सनातन परंपराओं के प्रति गर्व का भाव जगाना है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता ने अपील की कि हर सनातनी पावन पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाए। कार्यक्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भारत भूषण गुप्ता, विमर्श कुमार रस्तोगी, संजीव बालाजी, श्याम जी अग्रवाल व उषा अग्रवाल थे।

मां ने मोबाइल पर ज्यादा बात करने पर डांटा, बेटे ने दे दी जान

लखनऊ, (संवाददाता)।रहीमाबाद के दौलतपुर निवासी केतकी के अनुसार, बेटा अजय गौतम (24) हरियाणा में माली का काम करता था। होली से एक दिन पहले घर आया था। ज्यादातर मोबाइल में व्यस्त रहता था। दो दिन पहले उन्होंने अजय को मोबाइल फोन पर ज्यादा बात करने और हर वक्त इस्तेमाल करने से मना करते हुए डांटा था। इससे नाराज होकर वह गांव के बाहर बने प्रधानमंत्री आवास में जाकर अकेले रहने लगा। होटल से खाना खाकर, रात को वहीं सो जाता था। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे अजय को बड़ा भाई विजय बुलाने पहुंचा तो अजय का शव पंखे के हुक से रस्सी के सहारे लटका देखा। इंस्पेक्टर रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुनायक बताया कि मोबाइल फोन को जांच के लिए कब्जे में ले लिया गया है। अजय के परिवार ने मां केतकी, पिता वीरेंद्र, भाई विजय और विमल हैं।

गृहकर बकाया पर विद्युत सेवा आयोग का ऑफिस सील

लखनऊ, (संवाददाता)। बकाया गृहकर जमा न करने पर नगर निगम ने बुधवार को गोमतीनगर में विद्युत सेवा आयोग का ऑफिस सील कर दिया। यह कार्रवाई 11 लाख रुपये से अधिक गृहकर बकाया पर की गई है। नगर निगम जोन चार की जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने बताया कि सीलिंग से पहले विद्युत सेवा आयोग को कई बार बिल और नोटिस जारी किया गया। फिर भी गृहकर जमा नहीं किया। आयोग पर कुल 11 लाख 16 हजार 789 रुपये का गृहकर बकाया था, जमा नहीं हुआ तो सील कर दिया गया।

डिजिटल युग की चुनौतियों और संभावनाओं पर बीबीएयू में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को योग विभाग एवं योग वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 'डिजिटल युग की चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।सेमिनार में मुख्य रूप से शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही, योग विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह, पोलैंड के यूजेनियस पियासेकी शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय की कटारजीना मीक्जनिक तथा आयोजन सचिव डॉ. नरेंद्र सिंह मंचासीन रहे। वहीं दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्रो. सुषमा पांडेय ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. दीपेश्वर सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तभी सार्थक है जब वह ज्ञानवृद्धि में सहायक बने। उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक के अंधाधुंध उपयोग से अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने 'प्रज्ञा, शील और करुणा' के सिद्धांतों को अपनाने पर बल देते हुए 'पंचकोश' के माध्यम से मानव व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर डिजिटल तकनीक के प्रभाव को विस्तार से समझाया।प्रो. राज शरण शाही ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल लक्ष्य प्राप्ति नहीं बल्कि लोक कल्याण होना चाहिए।

लोदीपुर धाम का होगा कायाकल्प, 1.67 करोड़ से विकसित होगा श्री जम्भेश्वर मंदिर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत लोदीपुर धाम स्थित श्री जम्भेश्वर मंदिर के विकास को नई गति दी गई है। मंदिर परिसर के पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण पर 1.67 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे इसे एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत सत्संग भवन, यज्ञशाला, विश्राम गृह, रसोई, आधुनिक शौचालय, भव्य प्रवेश द्वार और ढका हुआ परिक्रमा मार्ग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि बिश्नोई समाज की समृद्ध विरासत के संरक्षण में भी सहायक होगी।इसी बीच, लोदीपुर धाम में आयोजित चौत्र अमावस्या मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्री गुरु जम्भेश्वर धाम सेवा समिति के अनुसार इस वर्ष मेले में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना के साथ पर्यावरण संरक्षण और सदाचार का संकल्प भी लिया।

किसानों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन (चौधरी चरण सिंह) के प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए किसानों के आर्थिक अस्तित्व और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने संगठन की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उनके निर्देश पर ज्ञापन उनके विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) द्वारा प्राप्त किया गया।

सोशल मीडिया के दौर में मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन ही सच्ची खुशी : प्रो. पाथर्डीकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर द्वारा शुक्रवार को 'विश्व प्रसन्नता दिवस' के अवसर पर संकाय भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "सोशल मीडिया और वेल–बीइंग (सुख–समृद्धि)" रही, जिसमें डिजिटल जीवन और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन पर विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता प्रबंध अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि "सुख कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक निरंतर यात्रा है।" उन्होंने बताया कि सच्चा सुख भौतिक वस्तुओं की अंधी दौड़ में नहीं, बल्कि धर्मानुकूल आचरण, त्याग और संयम में निहित है। उन्होंने कहा कि धन हमें सुविधाएँ तो दे सकता है, लेकिन मानसिक शांति और संतोष की गारंटी नहीं दे सकता। सोशल मीडिया के इस दौर में वास्तविक आनंद आत्मिक संतुलन और सादगी में ही निहित है। वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने 'हैप्पीनेस इंडेक्स 2026' के संदर्भ में कहा कि 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं में खुशी का स्तर कम होना गंभीर चिंता का विषय है। इसके पीछे सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता और वर्चुअल दुनिया में खुशी तलाशने की प्रवृत्ति प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं से आत्मनिर्भर होकर अपनी खुशी स्वयं निर्मित करने का आह्वान किया।जनसंचार विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि जीवन में प्रसन्न रहने के लिए दिखावे की आवश्यकता नहीं है, बल्कि छोटी–छोटी बातों में खुशियाँ खोजने की आदत विकसित करनी चाहिए।

विषय प्रवर्तन करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग मानसिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए संतुलित उपयोग आवश्यक है। साथ ही, जीवन में प्राप्त प्रत्येक उपलब्धि के प्रति कृतज्ञता का भाव ही सकारात्मकता का आधार बनता है। डॉ. अवधेश मौर्य ने खुशी पर एक कविता सुनायी। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज पांडे, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अमित मिश्र, अजय मौर्य, अभिषेक सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जौनपुर जेल में पूर्व सांसद उमाकांत यादव की तबीयत बिगड़ी, सीने में दर्द के बाद BHU रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर के जिला कारागार में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद उमाकांत यादव की शुक्रवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए बीएचयू रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के डॉक्टर रूपेश कुमार के अनुसार, उमाकांत यादव को सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। जांच में उनका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल सामान्य से अधिक पाया गया, जबकि वे पहले से ही इन बीमारियों की दवाएं ले रहे थे। ईसीजी कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें वाराणसी स्थित बीएचयू भेजा गया। विदित हो कि उमाकांत यादव वर्ष 1995 में हुए एक चर्चित हत्या कांड में सजा काट रहे हैं। 4 फरवरी 1995 को जौनपुर के शाहगंज रेलवे स्टेशन पर मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। सूचना पर पहुंचे जीआरपी जवानों से कहासुनी के बाद तत्कालीन विधायक के करीबी राजकुमार द्वारा सिपाही को थप्पड़ मारने से मामला और भड़क गया। पुलिस ने राजकुमार को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद उमाकांत यादव अपने समर्थकों के साथ जीआरपी चौकी पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर अंधाधुंध फायरिंग कराई, जिसमें जीआरपी कांस्टेबल अजय सिंह की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मामले में हत्या समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ और जांच सीबीसीआईडी को सौंपी गई।

लंबी सुनवाई के बाद 8 अगस्त 2022 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शरद कुमार त्रिपाठी ने उमाकांत यादव सहित छह आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई और उन पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। पूर्व सांसद उमाकांत यादव का राजनीतिक जीवन लंबा लेकिन विवादों से घिरा रहा है। उनके खिलाफ हत्या, धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट समेत कुल 37 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल उनकी हालत को देखते हुए बीएचयू में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

जेल से छूटने के बाद दोबारा सक्रिय हुए दलाल

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के लारी कार्डियोलॉजी में निजी मेडिकल स्टोरों के दलालों का जाल खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। सोमवार को गिरफ्तार हुए चार दलाल जमानत पर छूटने के बाद बुधवार को दोबारा परिसर में मरीजों को बरगलाते दिखे।

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दलाल सुरक्षा गार्डों के पास ही झुंड बनाकर खड़े थे। दलाल मरीजों से दवाएं बाहर के स्टोर पर 20 फीसदी कम कीमत पर दिलाने का झांसा दे रहे हैं। लारी कार्डियोलॉजी में रोजाना करीब 350 मरीज ओपीडी में देखे जाते हैं। यहां एचआरएफ काउंटर पर मरीजों को 50 से 70 फीसदी तक दवाओं पर छूट मिलती है। हालांकि, लंबी कतारों और सभी दवाएं न मिलने की बात कहते हुए दलाल उन्हें अपने झांसे में ले लेते हैं। कई बार दलाल तीमारदारों से मारपीट पर भी उतारू हो जाते हैं। केजीएमयू प्रशासन ने इस मामले में कई बार पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार को वजीरगंज पुलिस ने तीमारदार से विवाद कर रहे चार दलालों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान दलालों ने दरोगा से भी अभद्रता की थी। पकड़े गए आरोपी शाहगंज नक्खास निवासी मुस्तकीम खान, मोहनीपुरवा दौलतगंज हुसैनाबाद निवासी मो. अफजल, शहजान निवासी पानी की टंकी, हुसैनाबाद और साकिब निवासी गेंदखाना पानी की टंकी, हुसैनाबाद के रूप में हुई थी। मंगलवार को सभी को जमानत मिल गई। इसके बाद ये फिर से सक्रिय हो गए। समय–समय पर निरीक्षण करता है और दलालों से सावधान रहने के नोटिस भी परिसर में लगाए गए हैं। अगर किसी सुरक्षा गार्ड की मिलीभगत सामने आती है तो फिर उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में सपा प्रवक्ता का हमला– "बंगाल में बीजेपी की कोशिशें नाकाम होंगी, ममता फिर बनेंगी मुख्यमंत्री"

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आमिक जामोई शुक्रवार को जौनपुर पहुंचे । पत्रकारों से बातचीत करते हुए आमिक ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को गिराने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं, लेकिन वहां की जनता उनके मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को पूरा समर्थन दिया है और आने वाले चुनाव में एक बड़ा गठबंधन बनाकर बीजेपी को हराया जाएगा। जामोई ने दावा किया कि बंगाल की जनता शांतिप्रिय है और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करती है, इसलिए वह बीजेपी के बहकावे में नहीं आएगी। सपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि बंगाल में दंगे और फसाद बीजेपी के आने के बाद बढ़े हैं और इसमें केंद्रीय बलों की भी भूमिका संदिग्ध रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राज्यों से लोगों को भेजकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश में महंगाई और गैस संकट गहराता जा रहा है। एलपीजी सिलेंडर की किल्लत से आम जनता परेशान है और कालाबाजारी चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस एजेंसियों पर 3 से 5 हजार रुपये तक में सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए जामोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने ईरान और रूस के साथ संबंधों को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की और कहा कि इसका सीधा असर देश की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में सपा और इंडिया गठबंधन के समर्थन से ममता बनर्जी एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं और बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

हाईवे व मुख्य मार्गो की झाड़ियों की कड़ाईध्छटाई का कार्य एक सप्ताह में करायें–सीडीओ'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि हाईवे एवं मुख्य मार्गो की झाड़ियों की कड़ाईध्छटाई का कार्य संबंधित विभाग अपने–अपने मार्गो पर एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। ई रिक्शों को तय रूट पर चलाने के संबंध में सीडीओ ने यातायात निरीक्षक को निर्देश दिये कि ई रिक्शों को निर्धारित रूट पर ही चलवायें तथा उल्लघंन करने वाले चालकों पर कार्यवाही करें। मुख्य विकास अधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिये कहा कि अभियान चलाकर प्रतिदिन सौ ई रिक्शों पर वार कोड लगवाना सुनिश्चित करें और ओवर लोड एवं ओवर हाईट सामान लेकर चलने वाले ट्रक, टैक्टरध्ट्राली व अन्य वाहनों का चालान करने के साथ ही वाहन का पंजीयन निरस्त करें तथा दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु दुर्घटना बाहुल्य स्थानों पर साईनेज लगवायें। बैठक में सीडीओ ने उपस्थित बस एसोसियन पदाधिकारियों से कहा कि जनपद में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन के तहत गांवों से ब्लाक व तहसील स्तर पर 15 से 28 सीटर बसे 10 वर्ष के अनुबंध पर चलायी जायेगी, ग्राम परिवहन के तहत बस चलाने के इच्छुक बस मालिक 28 मार्च 2026 तक परिवहन कार्यालय में आवेदन करें। बैठक में एआरटीओ, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी, एआरएम रोडवेज, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

'स्टार एवं भूमि विवाद सन्दर्भो का निस्तारण निष्पक्ष एवं गुणवत्ता पूर्ण करायें:–अनुनय झा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' 11 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक के लम्बित स्टार एवं भूमि विवाद सन्दर्भो सम्बन्धी समीक्षा बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में तहसील सदर, बिलग्राम, सवायजपुर, शाहाबाद व सण्डीला के भूमि विवादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कहा कि भूमि विवादों का निस्तारण शिकायतकर्ता की संतुष्टि के आधार पर निष्पक्ष एवं गुणवत्ता पूर्ण करायें। अधिशासी अभियंता प्रथम, द्वितीय, शाहाबाद, सण्डीला की विद्युत बिल संशोधन आदि शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि विद्युत उपभोगताओं के बिल संशोधित कर उन्हें संतुष्ट करें और अन्य शिकायतों का निस्तारण समयान्तर्गत करें। थाना बेनीगंज एवं हरियावां की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण विवादित स्थल पर जाकर दोनो पक्षों के समक्ष करायें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्टार एवं भूमि विवाद सन्दर्भो का निस्तारण निर्धारित समय पर करायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर सुशील कुमार मिश्रा, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, ई डिस्टिक मैनेजर देवेश सिंह व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में की गई अदा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रमुख मस्जिदों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्वक अदा हुई। इस मौके पर पुलिस और प्रशासन पूरे जिले में हाई अलर्ट पर नजर आया।शहर के टाट शाह मस्जिद में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज के लिए जुटे।शहर इमाम मौलाना समसुल कादरी के नेतृत्व में नमाज अदा की गई।नमाज के बाद पूरी दुनिया में अमन और शांति के लिए विशेष दुआ मांगी गई।इमाम ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को लेकर भी शांति की अपील की।इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक देश है।अयोध्या प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्था के लिए धन्यवाद जताया गया।इमाम ने बताया कि अगले दिन धूमधाम से ईद उल फितर का त्योहार मनाया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' शुक्रवार को विधानसभा मतदाता सूचियों के विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण के गतिमान कार्यों के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया कि पुनरीक्षण कार्य में नो–मैपिंग तथा लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी वाले मतदाताओं को जारी नोटिसों की सुनवाई का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाता सूची में नाम शामिल कराये जाने के लिए प्राप्त फार्म–6, सूची से

नाम कटवाने के लिए प्राप्त फार्म–7 तथा नाम आदि के संशोधित कराने ध प्रविष्टि को स्थानान्तरित कराये जाने के लिए प्राप्त फार्म–8 के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्यवाहियों के पश्चात आयोग द्वारा निधारित कार्यक्रमानुसार मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 10 अप्रैल, 2026 को किया जायेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र एवं राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

'जिलाधिकारी ने जन सनुवाई में सुनी 53 शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में आज कुल 53 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई में प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन अंतर्जनपदीय टप्पेबाजी करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शुक्रवार को कोतवाली नगर पुलिस में शहर के विभिन्न जगह पर भोले भाले लोगों से टप्पेबाजों करने वाले गिरोह मे शामिल अंतर्जनपदीय तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त वाहन स्वीप्ट डिजायर कार,अवैध तमंचा एवं टप्पेबाजी के 6200 रुपये बरामद किये।इस संबंध में सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि टप्पेबाजों गिरोह मे शामिल इन अंतर्जनपदीय अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था।जिसमें उनके अलावा चौकी प्रभारी सिविल लाइन अमित कुमार चौकी प्रभारी रामनगर धर्मेंद्र सिंह शामिल रहे। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे व उनकी टीम में शामिल अन्य पुलिस कर्मियों ने इन अभियुक्तों को कोतवाली नगर क्षेत्र के भाजपा कार्यालय तिराहे से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान कमलेश कुमार यादव पुत्र स्व0 राम आधार यादव निवासी ग्राम खमपुर मौजा सिसवा थाना मऊ आइमा जनपद प्रयागराज,दीपक सिन्हा पुत्र नर्वदेश्वर प्रसाद सिन्हा (एन0पी0 सिन्हा)निवासी ग्राम गाड़ीवान टोला खुल्दाबाद थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज व राकेश पुत्र रामचरण निवासी ग्राम पूरे पितई करनपुर थाना नगर कोतवाली जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई। बताया कि पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त कार,अवैध तमंचा,रूपये 6200 नगद बरामद किया।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने महिलाओ व बेटियों को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शुक्रवार को सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी की देखरेख मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने पीआरडी कर्मी किरण यादव तथा महिला कांस्टेबल ज्योतिमा व अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ गुलाब बाड़ी,कंपनी गार्डन सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर जाकर महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर उन्होंने मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी देते हुए बताया कि जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं।इस मौके पर उन्होंने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें।इस मौके पर उनके अलावा महिला थाना परिसर मे तैनात अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

मकबरा बहू बेगम साहिबा में कुरआन ख्वानी का आयोजन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। माह रमजान उल मुबारक की समाप्ति से पूर्व मकबरा बहू बेगम साहिबा में बृहस्पतिवार शाम को कद्दुरआन ख्वानी का आयोजन किया गया । कद्दुरआन ख्वानी के बाद बहू बेगम साहिबा की कब्र पर चादरपोशी भी की गई । इस कार्यक्रम में मकबरा बहू बेगम के एजेंट सैयद जफरुल हसनैन, मौलाना मंजर अब्बास साहब, मौलाना इकबाल हैदर उर्फी साहब, मौलाना जफर अब्बास ष्कुम्मीष साहब, मौलाना सादिकुल हसन साहब, शायर ए अहलेबेत फरहत इरफानी साहब, जाकिर ए अहलेबैत जावेद आबिदी साहब,शावेज जाफरी एडवोकेट, एडवोकेट मुशिफक जैदी,इरफान हुसैन कस्टवी, हसीन अख्तर, अच्छे साहब, सैयद हसन रजा, नफीसुल हसन खान, शीराज हुसैन, जुर्रियत अब्बास, दानिश हुसैन,हैदर अब्बास, आफाक मेंहदी, सैयद अकबर हुसैन, रिंकू, शोएब हुसैन,हसन मुर्तुजा, हुसैन अब्बास, अम्मार हुसैन, इदरीस व अन्य लोग मौजूद रहे।कद्दुरआन ख्वानी के बाद देश में अमन शांति की दुआ की गई एवं रोजेदारों को अफ्तारी तकसीम की गई ।

दो छात्राओं ने द्वितीय व पांचवा स्थान प्राप्त कर कनौसा का बढ़ाया मान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।राजकीय जिला पुस्तकालय में बुधवार को जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल 5 प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में अयोध्या जिले के लगभग 20 विद्यालयों के शिक्षक और छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।प्रदर्शनी में 35 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने विज्ञान मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिक सोच और हुनर का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अयोध्या की उन्नति शुक्ला ने प्रथम स्थान किया। वही कनौसा कान्वेंट की दो मेधावी छात्राओं ने द्वितीय तथा पांचवें स्थान प्राप्त कर कनौसा कान्वेंट का मान बढ़ाया।आयोजित प्रतियोगिता में कनौसा कॉन्वेंट स्कूल अयोध्या की सांची सिंह को द्वितीय व कनौसा कॉन्वेंट के ही अभिलाषा मौर्या ने पांचवें स्थान पर आकर कनौसा कान्वेंट का नाम रोशन किया।जबकि फैजाबाद पब्लिक स्कूल की अंजनी सिंह को तृतीय व भवदीय पब्लिक स्कूल की प्रगति श्रीवास्तव को चौथा स्थान प्राप्त हुआ।सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।इसके अलावा अंकुर शुक्ला, समर्थ गुप्ता, प्रियंका, अभिषेक त्रिपाठी, प्रथम श्रीवास्तव, अंशिका पाठक, शुभम आर्य पाठक, शांभवी तिवारी, अभिषेक तिवारी, अनामिका सिंह, समीक्षा साहू, शिखर तिवारी, आस्था सिंह, पंकज यादव और वी. दीक्षित यादव सहित कई प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि वैज्ञानिक सोच और नवाचार ही देश के विकास के के की आधारशिला है।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. रमेश आर्य, अजय कुमार तिवारी, पंकज साहू और राजकीय पॉलिटेक्निक इंद्रजीत पटेल शामिल रहे।विशिष्ट अतिथि रूप में वित्त एवं लेखा अधिकारी अनुपम कुमार, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक के प्राचार्य एलपी सिंह और सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडेय,कनौसा कॉन्वेंट की शिक्षिकाओ मे आमिना,आकांक्षा सहित कई स्कूल व कॉलेजों की शिक्षक व शिक्षिकाए मौजूद रही।

आयांश ने जवाहर विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।कहते हैं कि सच्ची मेहनत और मजबूत इरादों के आगे हर मुश्किल छोटी पड़ जाती है।इस बात को सच कर दिखाया मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स जाना बाजार अयोध्या स्कूल, के होनहार छात्र आयांश ने।आयांश ने नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर अपने ना कि अपने पिता राजेश कुमार बल्कि उनके साथ साथ उनके परिवार और विद्यालय वह अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया।आयांश की यह उपलब्धि केवल एक परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि उनके सपनों, संघर्ष और अथक परिश्रम की कहानी है। सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा और पूरे समर्पण के साथ पढ़ाई करते हुए यह मुकाम हासिल किया।इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय में एक प्रेरणादायक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय ने आयांश के साथ–साथ उनके अभिभावकों और उनके शिक्षकों को भी सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि "आयांश की सफलता यह साबित करती है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। वह हमारे विद्यालय के लिए प्रेरणा हैं।"आयांश की यह उपलब्धि न केवल अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी, बल्कि यह संदेश भी देती है कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य को पाया जा सकता है।विद्यालय परिवार की ओर से आयांश को ढेरों शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह तो बस शुरुआत है, आयांश आगे भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूते रहेंगे और अपने गांव, विद्यालय व देश का नाम रोशन करते रहेंगे। इस मौके पर प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, उप प्रबंधक आशीष रंजन श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य कौशल किशोर सिन्हा, अनिल वर्मा, शिक्षकों में गुड्डू भारती, वैभव सिंह, सारिका श्रीवास्तव,वंदना श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने चलाया कई प्रतिष्ठानों पर चलाया चेकिंग अभियान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। चौत्र नवरात्रि को देखते हुए खासकर व्रत में उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थ सहित कई मिठाईयां की गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के कर्मचारियों ने कई प्रतिष्ठानों पर जाकर निरीक्षण किया। इस संबंध मे सहायक आयुक्त यखाद्य।।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि चौत्र नवरात्र के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थ के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु विशेषकर नवरात्र के अवसर पर तैयार होने वाले भोगध्प्रसाद सिंघाड़े का आटा, घी, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, कुट्टू का आटा, सेधा नमक एवं अन्य फलाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित कराए जाने एवं अभिसूचना आधारित प्रवर्तन कार्यवाही हेतु विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया है। इसके लिए मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल का गठन दिनांक 18.03.2026 से दिनांक 25. 03.2026 तक बाजार में विक्रय किए जा रहे उक्त खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता परखने के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही हेतु सचल दल का गठन किया गया है। बताया कि शुक्रवार को उनके नेतृत्व में सचल दल यखाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सोनी व नन्द कुमार यादव एवं सन्तोष कुमार साहूद्ध के साथ खाद्य प्रतिष्ठान पर निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान नन्द कुमार यादव ने नमूना किसमिश एवं सन्तोष कुमार साहू ने सरदार किराना स्टोर वेनी गद्दौपुर बीकापुर से सेंधा नमक का संग्रहीत किया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ पी0के0 त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री शरद पाल ने खाद्य प्रतिष्ठान वैदिक इन साहबगंज से पनीर एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुमित चौाधरी ने खाद्य प्रतिष्ठान अवध प्रोविजन स्टोर अमानीगंज से कुट्टू का आटा एवं किशमिस का नमूना संग्रहीत किया गया।खाद्य प्रतिष्ठान हजारीलाल मिष्ठान भ्ंडार खण्डासा मे बर्फी का नमूना संग्रहीत किया। बताया कि यह कार्यवाही डीएम के निर्देश पर आगे भी जारी रहेगी।

वजन और बीपी ही माप रहे करोड़ों के हेल्थ एटीएम

उन्नाव, (संवाददाता)। जिला अस्पताल सहित 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर वर्ष 2022 में लगाए गए हेल्थ एटीएम का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने इन एटीएम से मरीजों को 59 प्रकार की जांचें निशुल्क उपलब्ध कराने का दावा किया था। हालांकि, एकाध स्वास्थ्य केंद्रों को छोड़ दें तो अन्य जगहों पर लगे एटीएम से जांच नहीं हो पा रही है। ज्यादातर में वजन और बीपी की माप ही हो पा रही है। इसकी मुख्य वजहकहीं टेक्नीशियन का न होना, कहीं रिजेंट का अभाव तो कहीं मशीन का खराब होना है। जिले के लगभग सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व जिला अस्पताल में लगे हेल्थ एटीएम शोपीस हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा था कि इन एटीएम के जरिए मरीजों को ब्लड प्रेशर, शुगर, शरीर की चर्बी, पल्स दर और ऑक्सीजन स्तर जैसी 59 प्रकार की जांचों की सुविधा मिलेगी। इनको टेली कंसल्टेशन और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तकनीक से जोड़ने की भी बात कही गई थी। डॉक्टरों द्वारा दैनिक परामर्श, बीमारी के हिसाब से डाइट चार्ट और मेंटल स्ट्रेस कम करने के तरीके बताने का भी दावा था। ग्लूकोज, हीमोग्लोबिन, लिपिड प्रोफाइल, यूरिन टेस्ट, गर्भावस्था, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, एचआईवी, ईसीजी जैसे रैपिड टेस्ट भी दस मिनट में होने थे। डिजिटल स्टेथोस्कोप, डर्मास्कोप और ओटोस्कोप जैसे उपकरण भी उपलब्ध होने थे। इन सभी जांचों के लिए मरीजों को कोई शुल्क नहीं देना था। लेकिन ये सभी दावे हकीकत से दूर हैं। मरीजों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। एकाध स्वास्थ्य केंद्रों को छोड़ दें तो अन्य जगहों पर लगे एटीएम से जांच नहीं हो पा रही है। इसकी वजह कहीं टेक्नीशियन न होना तो कहीं रिजेंट न होना तो कहीं मशीन खराब होना है। असोहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा हेल्थ एटीएम पिछले एक माह से रिजेंट न होने से संचालित नहीं हो रहा है। इससे एटीएम से स्वास्थ्य की जांच कराने वाले मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि रिजेंट के लिए पत्र लिखा गया है। नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हेल्थ एटीएम छह माह से खराब है। सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने निरीक्षण के दौरान मशीन खराब होने पर उसे हटवाने के निर्देश दिए थे। हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगा हेल्थ एटीएम लंबे समय तक शोपीस बना रहा। करीब छह माह पूर्व इससे जांचें होना शुरू हुआ। फिर भी विभागीय दावे के अनुरूप सभी 59 जांचें नहीं हो रही हैं। वजन, लंबाई, ऑक्सीजन के स्तर और रक्तचाप जैसी 20 सामान्य जांचें ही एटीएम से हो पा रही हैं। औरास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मरीजों के वजन, लंबाई और ब्लड प्रेशर की ही जांच हो पा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।